Part A Introduction				
Program: U.G. Certificate		**Class: B.A.**	**Year: First Year**	**Session:2025-26**
Subject: Sociology				
1	**Course Code**	**MD 1**		
2	**Course Title**	**Society in India**		
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Multi-disciplinary**		
4	**Pre-requisite (if any)**	Students are not allowed to select or repeat a course that they have already completed at the higher secondary (12th Class) level.		
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Students will recognize the significance of India's cultural, social & philosophical heritage. Appreciate indigenous knowledge system and their contemporary relevance. 2. Develop critical perspectives on issues like digital divide, mental health, and climate change. 3. Students will learn to appreciate their family support system and will plan future skill growth. 4. Students will realize the balance between profit and social responsibility in business. 5. Students will understand that women's criminal behaviour is often linked to larger social issues. 6. Students will improve their analytical, policy evaluation and critical thinking skills relevant for civil services, start-up's, and professional sectors.		
6	**Credit Value**	03		
7	**Total Marks**	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 35	

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**
I	**Indian Knowledge Tradition and Society** 1. Fundamental social concepts embedded in the Indian Knowledge Tradition: 1.1. Social harmony	**09**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	1.2. Swadharma 1.3. Vasudhaiva Kutumbakam 2. Sociological concept of society	
	Key word- Social harmony, Swadharma, Vasudhaiva Kutumbakam	
	Activity- Essay writing on the above concepts based on the Granthas available in the Indian knowledge tradition cell.	
II	**Distinctive India** 1. The People of India (Demographic Profile) 2. Cultural, Religious and Linguistic Distinctiveness 3. Cultural preservation in contemporary India	**09**
	Key word- Cultural Distinctiveness, Linguistic Distinctiveness, Cultural preservation.	
	Activity-Create the demographic profile of the class or faculty students and present it in tables.	
III	**Social perspectives on skill development** 1. Traditional family role in socializing skills. 2. Social Perspective on entrepreneurship. 3. Indigenous communities and their unique knowledge systems. 4. Globalization and the evolving demand for new skills.	**09**
	Key word- Skill socialization, entrepreneurship, Indigenous communities.	
	Activity- Skill Mapping Exercise – Students draw a circle with "Me" at the center and list family-taught skills around it.	
IV	**Transforming Society** 1. Rural Development and schemes for rural employment. 2. Role of digital literacy and IT skills. 3. Social media and opportunities of employment. 4. Corporate Social Responsibilities (CSR) and corporate ethics.	**09**
	Key word- Rural Development, Digital Literacy, IT skills, CSR, Corporate Ethics.	
	Activity – *Digital Detox Challenge* – Students will limit their screen time for a set number of hours each day over one week. At the end of the week, they will write a reflection paper on what they learned from this exercise.	
V	**Challenges of modern society** 1. Balancing digital dependency and real world relations. 2. Women criminality: Causes and consequences.	**09**

डॉ. ममता बाजपेयी
आचार्य, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	3. Suicide crisis: A social and mental health challenge. 4. Property rights of woman and the elderly: A changing scenario.	
	Key word- Digital dependency, Women criminality, Suicide crisis, mental health, Property rights.	
	Activity – Case study writing (Choose one of the following excercise): 1. Analyze a real-life example of legal reform related to property rights. 2. Conduct a case study on a reputable local mental health organization or NGO.	
	Total Lectures	**45 Hours**

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. आहूजाराम (संस्करण2022)'सामाजिक समस्याएं,रावत पब्लिकेशन 2. भारत2025,(सूचना प्रशासन विभाग,भारत सरकार का वार्षिक संदर्भ ग्रंथ) 3. जैनशोभिता (द्वितीय संस्करण2023):भारत में परिवार,विवाह और नातेदारी, रावत पब्लिकेशन जयपुर 4. गुप्त देवेंद्र कुमार (2010):सूत्र साहित्य में वर्णित भारतीय समाज और संस्कृति, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली. 5. सिंह जे.पी (2019):आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, 21वीं सदी में भारत,पीएच आई लर्निंग पब्लिकेशन 5. Bhatacharyya, Sukanta(2014)Environmental Sociology: Indian Perspectives, Levant Books 6. Dube, Leela (1974): Sociology of Kinship. Popular Prakashana ,Bombay 7. Giddens, Anthony (2nd edition 1996):Global Problems and Ecological Crisis: New York. W.W. Norton and Co. 8. Karvelravat(1965) : Kinship Organisation in India Bombay Asia publishing house, 9. Uberoi (Ed.): Family, Kinship and Marriage in India. Oxford University Press, New Delhi . 10. YogendraSingh(2007) Social Change in India Crisis and Resilience ,HarAnand Publication pvt ltd. 11. Related book of Hindi Granth academy, Madhya Pradesh.
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Maximum Marks:100

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 02:00 Hours	**Section(A) Very** Short Questions- 3(50 Words) **Section(B):**Short Questions -4 (200 Words) **Section(C):**Long Questions -2(500 Words)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय				
कार्यक्रम: स्नातक प्रमाणपत्र		कक्षा: बी.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: समाजशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	MD 1		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारत में समाज		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	मल्टी डिसिप्लिनरी (बहुअनुशासनिक)		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	विद्यार्थियों को उस पाठ्यक्रम को चुनने या दोहराने की अनुमति नहीं है जिसे उन्होंने उच्चतर माध्यमिक (12वीं कक्षा) स्तर पर पहले ही पूरा कर लिया है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और दार्शनिक विरासत के महत्व को पहचानेंगे। स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और उनकी समकालीन प्रासंगिकता की सराहना करेंगे। 2. डिजीटल डिवाइस, मानसिक स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करेंगे। 3. विद्यार्थी अपने परिवार की सहयोग व्यवस्था की सराहना करना सीखेंगे और भविष्य में कौशल विकास की योजना बनाएंगे। 4. विद्यार्थी व्यवसाय में लाभ और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन को समझेंगे । 5. विद्यार्थी समझेंगे कि महिलाओं का आपराधिक व्यवहार अक्सर बड़े सामाजिक मुद्दों से जुड़ा होता है। 6. विद्यार्थी अपनी विश्लेषणात्मक क्षमता, नीतियों के मूल्यांकन तथा समालोचनात्मक चिंतन से संबंधित कौशलों को विकसित करेंगे जो सिविल सेवा, स्टार्टअप तथा व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए उपयोगी है।		
6	क्रेडिट मान	03		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**भारतीय ज्ञान परंपरा और समाज** 1. भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित मौलिक सामाजिक अवधारणाएँ: 1.1. सामाजिक समरसता 1.2. स्वधर्म 1.3. वसुधैव कुटुम्बकम 2. समाज की समाजशास्त्रीय अवधारणा	09
	सारबिन्दु – सामाजिक समरसता, स्वधर्म,वसुधैव कुटुम्बकम्	
	गतिविधि- भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ में उपलब्ध ग्रन्थों के आधार पर उपरोक्त संकल्पनाओं पर निबंध लेखन।	
द्वितीय	**विशिष्ट भारत** 1. भारत के लोग (जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल) 2. सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई विशिष्टताएँ 3. समकालीन भारत में सांस्कृतिक संरक्षण	09
	सारबिन्दु - सांस्कृतिक विशिष्टता, भाषाई विशिष्टता, सांस्कृतिक संरक्षण।	
	गतिविधि- कक्षा अथवा संकायके विद्यार्थियों की जनसांख्यिकी प्रोफाइल का निर्माण एवं तालिकाओं में प्रस्तुती।	
तृतीय	**कौशल विकास पर सामाजिक परिप्रेक्ष्य** 1. कौशल समाजीकरण में परिवार की परम्परागत भूमिका 2. आदिम समुदाय एवं उनकी विशिष्ट ज्ञान व्यवस्था। 3. उद्यमिता पर सामाजिक दृष्टिकोण। 4. वैश्वीकरण और नए कौशल की उभरती मांग।	09
	सारबिन्दु - कौशल समाजीकरण, उद्यमिता, आदिम समुदाय।	
	गतिविधि- कौशल मानचित्रण अभ्यास - विद्यार्थी केंद्र में "मैं" के साथ एक वृत्त बनाएं और उसके चारों ओर परिवार द्वारा सिखाए गए कौशलों की सूची बनाएं।	
चतुर्थ	**रूपान्तरित समाज** 1. ग्रामीण विकास और ग्रामीण रोजगार के लिए योजनाएँ। 2. डिजिटल साक्षरता और आईटी कौशल की भूमिका। 3. सोशल मीडिया और रोजगार के अवसर।	09

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	4. कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) और कॉर्पोरेट नैतिकता।	
	सारबिन्दु - ग्रामीण विकास, डिजिटल साक्षरता, आईटी कौशल, सीएसआर, कॉर्पोरेट नैतिकता।	
	गतिविधि- डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज - विद्यार्थी एक सप्ताह तक हर दिन एक निश्चित संख्या में घंटों तक स्क्रीन पर समय नहीं बिताएंगे। सप्ताह के अंत में, वे इस अभ्यास से जो कुछ सीखा है, उस पर एक प्रतिबिम्ब लेख लिखेंगे।	
पंचम	**आधुनिक समाज की चुनौतियाँ** 1. डिजिटल निर्भरता और वास्तविक दुनिया के संबंधों में संतुलन। 2. महिला अपराध: कारण और परिणाम। 3. आत्महत्या संकट: एक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य चुनौती। 4. महिलाओं और बुजुर्गों के संपत्ति अधिकार: एक बदलता परिदृश्य।	09
	सारबिन्दु - डिजिटल निर्भरता, महिला अपराध, आत्महत्या संकट, मानसिक स्वास्थ्य, संपत्ति अधिकार।	
	गतिविधि- केस स्टडी लेखन (निम्नलिखित अभ्यासों में से एक चुनें): 1. संपत्ति अधिकारों से संबंधित कानूनी सुधार के वास्तविक जीवन के उदाहरण का विश्लेषण करें। 2. किसी प्रतिष्ठित स्थानीय मानसिक स्वास्थ्य संगठन या एनजीओ पर केस स्टडी पूर्ण [illegible] करें।	
	कुल व्याख्यान	**45 घण्टें**

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. आहूजाराम (संस्करण2022)'सामाजिक समस्याएं,रावत पब्लिकेशन

2. भारत2025,(सूचना प्रशासन विभाग,भारत सरकार का वार्षिक संदर्भ ग्रंथ)

3. जैनशोभिता (द्वितीय संस्करण2023):भारत में परिवार,विवाह और नातेदारी, रावत पब्लिकेशन जयपुर

4. गुप्त देवेंद्र कुमार (2010):सूत्र साहित्य में वर्णित भारतीय समाज और संस्कृति, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली.

5. सिंह जे.पी (2019):आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, 21वीं सदी में भारत,पीएच आई लर्निंग पब्लिकेशन

5. Bhatacharyya, Sukanta(2014)Environmental Sociology: Indian Perspectives, Levant Books

6. Dube, Leela (1974): Sociology of Kinship. Popular Prakashana ,Bombay

7. Giddens, Anthony (2nd edition 1996):Global Problems and Ecological Crisis: New York. W.W.Norton and Co.

8. Karvelravat(1965) : Kinship Organisation in India Bombay Asia publishing house,

9. Uberoi (Ed.): Family,Kinship and Marriage in India. Oxford University Press ,New Delhi .

डॉ. ममता वाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

10. YogendraSingh(2007) Social Change in India Crisis and Resilience ,HarAnand Publication pvt ltd.

11. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, मध्य प्रदेश की संबंधित पुस्तक।

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

http://populationcommission.nic.in

2.http://www.censusindia.gov.in

Indian Tribes:

https://www.google.com/search?q=Indian+Tribes+prospectus&oq=indian+tribes&aqs=chrome.1.6915912j69157j014j69i60.9261j07&sourceid=chrome&ie=UTF-8

https://tribal.nic.in/scholarship.aspx

Indian Society:

http://sdeuoc.ac.in/sites/default/files/sde_videos/11%20Sem.%20-%20Socio%20-%20Indian%20Society%202019%20Admn.%281%29.pdf

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

इग्नू और अन्य केंद्र/राज्य संचालित विश्वविद्यालय भारत और विदेश में "SWAYAM" जैसे MOOC प्लेटफॉर्म।

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 100

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 02.00 घंटे	**अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)** **अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	कुलअंक 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)